म्हारो गोविन्द हे गोपाल .....

म्हारो गोविन्द हे गोपाल, जोड़ी रो जवाब नहीं ।
जवाब नहीं रे, जवाब नहीं ।। टेर।।

म्हारी रे राधा गोरी गोरी, श्याम वरण घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा बरसाने वाली, गोकुल वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा रखड़ी वाली, मुकुट वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा नथनी वाली, मुरली वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा झूमर वाली, कुंडल वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा हार वाली, कंठा वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा पायल वाली, झांझर वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

म्हारी रे राधा चूंदड़ वाली, पटुका वालो घनश्याम ।
जोड़ी रो जवाब नहीं ।। म्हारो गोविन्द हे.....

लेने को हरि नाम है, देने को अन्न दान।
तरने को है दीनता, बूड़न को अभिमान।।